



Hargharpanditji

॥ रविवार व्रत के ज्योतिषीय कारण ॥

॥ ॐ सूर्याय नमः ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ रविवार व्रत के ज्योतिषीय कारण ॥

ज्योतिषीय मान्यता में रविवार सूर्य देव और सूर्य ग्रह को समर्पित दिन है। सूर्य को आत्मबल, पिता, प्रतिष्ठा, नेतृत्व, स्वास्थ्य, शासन और जीवन-ऊर्जा का कारक माना जाता है। इसलिए कुंडली में सूर्य से संबंधित कुछ स्थितियों में रविवार व्रत और सूर्य उपासना को लाभकारी माना जाता है।

कुंडली में सूर्य कमजोर होना

यदि जन्मकुंडली में सूर्य कमजोर स्थिति में हो, तो ज्योतिषीय उपाय के रूप में रविवार को व्रत, सूर्य को अर्घ्य और सूर्य मंत्र का जाप किया जाता है।

मान-सम्मान में कमी

सूर्य प्रतिष्ठा और सामाजिक सम्मान का कारक माना जाता है। बार-बार अपमान, कार्यक्षेत्र में उचित सम्मान न मिलना या अधिकार की कमी महसूस होने पर सूर्य उपासना की जाती है।

करियर और नेतृत्व में बाधा

नौकरी, प्रशासन, सरकारी कार्य, नेतृत्व या पद-प्रतिष्ठा से संबंधित समस्याओं में सूर्य को मजबूत करने के लिए रविवार व्रत का सुझाव दिया जाता है।

आत्मविश्वास की कमी

सूर्य को आत्मबल और आत्मविश्वास का प्रतीक माना जाता है। निर्णय लेने में अत्यधिक संकोच या आत्मविश्वास की कमी होने पर सूर्य साधना उपयोगी मानी जाती है।

सरकारी कार्यों में बाधा

सूर्य का संबंध शासन और सरकारी व्यवस्था से माना जाता है। सरकारी नौकरी की तैयारी, सरकारी कार्यों या अधिकारियों से संबंधित मामलों में सूर्य उपासना को पारंपरिक ज्योतिषीय उपाय माना जाता है।

आलस्य और नकारात्मकता कम करने के लिए सूर्य जीवन में प्रकाश और सक्रियता का प्रतीक है। रविवार को प्रातः जल्दी उठना, सूर्य को अर्घ्य देना और मंत्र जाप करना अनुशासन तथा सकारात्मकता बढ़ाने की साधना के रूप में किया जाता है।

किन राशियों में विशेष महत्व?

सिंह राशि के जातकों के लिए सूर्य विशेष महत्व रखता है क्योंकि सूर्य सिंह राशि का स्वामी है। इसके अतिरिक्त मेष, धनु, वृश्चिक और कर्क राशियों के जातकों के लिए भी सूर्य उपासना सामान्यतः शुभ मानी जाती है।

महत्वपूर्ण: केवल राशि के आधार पर यह तय नहीं किया जा सकता कि किसी व्यक्ति को रविवार का व्रत अवश्य करना चाहिए। व्यक्तिगत कुंडली में सूर्य की राशि, भाव, दृष्टि, युति और दशा आदि देखकर ज्योतिषीय निर्णय अधिक उचित होता है।